शराब माफिया बेलगाम, विभाग के लिए बनी 'दुधारू गाय', एमआरपी से अधिक वसूली से उपभोक्ताओं की जेब पर रोजाना डाका

आबकारी मंत्री के जिले में 'ओवर-रेट' का खेल

हरिभूमि, जबलपुर।

प्रदेश सरकार भले ही शराब बिक्री व्यवस्था में पारदर्शिता, सख्ती और उपभोक्ता हितों की रक्षा के बड़े-बड़े दावे करती हो, लेकिन आबकारी मंत्री के प्रभार वाले जबलपुर जिले की जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। जिले में शराब दुकानों पर निर्धारित मूल्य (एमआरपी) से अधिक कीमत वसूलने का कथित खेल बदस्तूर जारी है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक उपभोक्ता खुलेआम लूट का आरोप लगा रहे हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग की कार्रवाई सवालों के घेरे में है।

एमआरपी सिर्फ बोतल पर बिक्री मनमाने रेट पर

शराब खरीदने वाले ग्राहकों का कहना है कि अधिकांश दुकानों पर प्रिंट रेट से 10, 20, 30 और कई मामलों में 50 रुपये तक अधिक वसूले जा रहे हैं। ग्राहक जब निर्धारित मूल्य पर शराब देने की बात करता है तो उसे साफ शब्दों में कहा जाता है "रेट यही है, लेना है तो लो, नहीं तो आगे बढ़ो।" कई दुकानों पर तो ग्राहकों को बिल तक नहीं दिया जाता, जिससे शिकायत साबित करना भी मुश्किल हो जाता है।

ओवर-रेटिंग का संगठित नेटवर्क

सूत्रों की मानें तो यह कोई इक्का-दुक्का दुकानों का मामला नहीं, बल्कि एक संगठित व्यवस्था का हिस्सा है। लंबे समय से चल रहे इस खेल ने कथित तौर पर शराब कारोबार से जुड़े प्रभावशाली लोगों और विभाग के कुछ जिम्मेदार तत्वों के लिए करोड़ों की कमाई का रास्ता खोल दिया है। यही वजह है कि शिकायतों के बावजूद स्थिति में कोई बड़ा बदलाव दिखाई नहीं देता।

शिकायतें बहुत, कार्रवाई नाममात्र

उपभोक्ताओं का आरोप है कि आबकारी विभाग को लगातार शिकायतें मिलने के बावजूद कार्रवाई केवल खानापूर्ति तक सीमित रहती है। कभी-कभार प्रतीकात्मक चालान या नोटिस जारी कर विभाग अपनी जिम्मेदारी पूरी होने का दावा कर देता है, लेकिन अगले ही दिन वही दुकानें फिर पुराने ढर्रे पर लौट आती हैं। इससे विभागीय संरक्षण की आशंकाएं और गहरा रही हैं।

हर दिन लाखों, हर माह करोड़ों का खेल

जानकारों के अनुसार यदि जिले की शराब दुकानों पर प्रतिदिन हजारों बोतलों की बिक्री होती है और प्रत्येक बोतल पर औसतन 20 से 30 रुपये अतिरिक्त वसूले जाते हैं, तो यह रकम प्रतिदिन लाखों रुपये तक पहुंच सकती है। यही आंकड़ा महीने भर में करोड़ों रुपये के अवैध कारोबार का रूप ले सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह अतिरिक्त राशि आखिर किसकी जेब में जा रही है?

जनता के सीधे सवाल

- जब हर बोतल पर एमआरपी अंकित है तो उससे अधिक कीमत क्यों वसूली जा रही है?
- आबकारी विभाग के नियमित निरीक्षणों के बावजूद ओवररेटिंग बंद क्यों नहीं हो रही?
- शिकायतों के बाद अब तक कितनी दुकानों के लाइसेंस निलंबित या निरस्त किए गए?
- अतिरिक्त वसूली से अर्जित रकम का लाभ किसे मिल रहा है?
- आबकारी मंत्री के प्रभार वाले जिले में भी उपभोक्ताओं को उनका अधिकार नहीं मिल सकता?

संरक्षण किसका, जवाब कौन देगा

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर आबकारी मंत्री के प्रभार वाले जिले में एमआरपी से अधिक शराब बेचने का यह कथित कारोबार किसके संरक्षण में चल रहा है? यदि विभाग को इसकी जानकारी है तो कठोर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही, और यदि जानकारी नहीं है तो फिर निगरानी तंत्र की उपयोगिता क्या है? बढ़ती शिकायतों के बीच अब जनता निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग कर रही है।

5 करोड़ की लागत से शहर की 47 सड़कों का हो रहा डामलीकरण

जबलपुर। शहर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए नगर निगम द्वारा 5 करोड़ रुपये की लागत से 47 प्रमुख सड़कों के डामलीकरण कार्य की शुरुआत की गई है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर नागरिकों को गड्ढामुक्त और सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी। कार्य की शुरुआत के अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" ने मालवीय चौक से लार्डगंज थाना सुपर मार्केट तक चल रहे डामलीकरण कार्य का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। निगम अध्यक्ष रिकुंज विज ने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान सभी तकनीकी अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर कार्य की निगरानी करेंगे, जिससे सड़कों की गुणवत्ता और मजबूती सुनिश्चित की जा सके। इस मौके पर एमआईसी सदस्य विवेक राम सोनकर, श्रीमती रजनी कैलास साहू, पूर्व पार्षद अमित जैन सहित अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री शैलेन्द्र मिश्रा, सहायक यंत्री वीरेन्द्र पाण्डेय एवं उपयंत्री निपुण रंगडाले मौजूद रहे। साथ ही स्थानीय व्यापारी संघ के पदाधिकारी एवं नागरिकों ने भी नगर निगम की इस पहल का स्वागत किया।

शहर में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम, रेलवे भी एक्शन मोड में

राष्ट्रपति के नगर आगमन को लेकर शहर में हाईअलर्ट

जबलपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के 20 और 21 जून को प्रस्तावित जबलपुर प्रवास को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और रेलवे प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली हैं। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए शहर में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए जा रहे हैं, वहीं रेलवे ने भी मुख्य रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा योजना लागू करने का निर्णय लिया है। रेलवे बोर्ड मुख्यालय से जारी निर्देशों के अनुसार रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा 20 जून से 22 जून तक लगातार तीन दिनों के लिए जबलपुर मुख्य रेलवे स्टेशन पर 24 घंटे क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) तैनात की जाएगी। यह टीम स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों में चौबीसों घंटे निगरानी रखेगी तथा किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटने के लिए तैयार रहेगी। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव ने बताया कि क्विक रिस्पांस टीम चार-चार जवानों के समूह में स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म, मुख्य प्रवेश एवं निकास द्वार, यात्री प्रतीक्षालय, फुट ओवरब्रिज, सर्कुलेटिंग एरिया तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर लगातार पेट्रोलिंग करेगी। इसके अलावा स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों की गतिविधियों पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि जबलपुर मुख्य रेलवे स्टेशन राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थलों से जुड़े 15 किलोमीटर के सुरक्षा घेरे के भीतर आता है, इसलिए सुरक्षा एजेंसियां किसी भी प्रकार की चूक की संभावना को समाप्त करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरत रही हैं। स्टेशन परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की जांच के साथ-साथ यात्रियों के सामान की भी गहन निगरानी की जाएगी। रेलवे प्रशासन ने पार्सल कार्यालय और माल बुकिंग केंद्रों पर भी सुरक्षा बढ़ा दी है। पार्सल के माध्यम से आने-जाने वाले सामान की विशेष जांच की जाएगी ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध सामग्री स्टेशन परिसर में प्रवेश न कर सके। सुरक्षा एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

877 हितग्राही हुए लाभान्वित, 16 संभागों में लगे विशेष जनकल्याण शिविर

जबलपुर। भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा शहर के सभी 16 संभागों में विशेष जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में 18 जून 2026 को कुल 877 हितग्राही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुए।

शिविरों का उद्देश्य पात्र नागरिकों को एक ही स्थान पर सभी योजनाओं का त्वरित लाभ उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत रेहड़ी-पटरी एवं छोटे दुकानदारों के लिए ऑन-द-स्पॉट पंजीयन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत पात्र वृद्धजनों, विधवाओं और दिव्यांगजनों के आवेदन तथा लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री संबल योजना एवं कर्मकार मंडल के अंतर्गत श्रमिक वर्ग का पंजीयन, समग्र ई-केवाईसी, पात्रता पर्ची जारी करने एवं त्रुटि सुधार जैसे कार्यों का भी तत्काल समाधान किया गया। शिविरों के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद आशीष दुबे, विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायकगण, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एमआईसी सदस्यगण एवं पार्षदों ने विभिन्न शिविर स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और हितग्राहियों से संवाद किया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय उपस्थिति से शिविरों में नागरिकों का उत्साह बढ़ा और योजनाओं का लाभ सुचारु रूप से पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया गया।

मप्र राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 का रास्ता साफ, हाईकोर्ट ने हटाई रोक

याचिकाकर्ताओं के अनुरोध पर डिवीजन बेंच ने अंतरिम स्थगन आदेश किया निरस्त, 17 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

जबलपुर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है। जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने मुख्य परीक्षा पर लगी अंतरिम रोक को हटा दिया है। इसके साथ ही आयोग को मुख्य परीक्षा आयोजित करने की अनुमति मिल गई है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 के परिणाम में वर्गवार कटऑफ अंक सार्वजनिक नहीं करने, आरक्षित वर्ग के मेधावी अभ्यर्थियों को अनारक्षित पदों के विरुद्ध चयनित नहीं किए जाने तथा आयु सीमा सहित अन्य प्रकार की छूट प्राप्त अभ्यर्थियों को अनारक्षित वर्ग में माइग्रेशन का लाभ नहीं

दिए जाने से संबंधित नियमों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थीं। यह चुनौती याचिका क्रमांक डब्ल्यूपी-09253/2025 एवं डब्ल्यूपी-11444/2025 के माध्यम से प्रस्तुत की गई थी।

इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 25 मार्च 2025 तथा 2 अप्रैल 2025 को अंतरिम आदेश पारित कर राज्य सेवा मुख्य परीक्षा के आयोजन पर रोक लगा दी थी। बाद में लोक सेवा आयोग ने वर्गवार कटऑफ की सूची बंद लिफाफे में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की और स्थगन आदेश हटाने के लिए आवेदन भी दायर किया। हालांकि, न्यायालय ने उस समय स्थगन आदेश हटाने से इनकार करते हुए राज्य शासन और आयोग को याचिका में उठाए गए सभी बिंदुओं पर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे।

याचिकाकर्ताओं की ओर से बाद की सुनवाई में यह दलील दी गई कि राज्य शासन और आयोग द्वारा दाखिल जवाब अधूरे हैं तथा याचिका में उठाए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का तार्किक और बिंदुवार समाधान नहीं किया गया है। इसी कारण मामले की अंतिम सुनवाई आगे नहीं बढ़ सकी।

यह प्रकरण 16 जून 2026 को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच के समक्ष सूचीबद्ध हुआ था। बेंच ने 18 जून को अंतिम बहस के लिए मामले को सूचीबद्ध किया, लेकिन शाम साढ़े चार बजे तक सुनवाई का क्रम नहीं आ सका। इसके बाद याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने स्वयं न्यायालय से अनुरोध किया कि अंतरिम स्थगन आदेश निरस्त कर दिया जाए, ताकि मुख्य परीक्षा आयोजित हो सके और याचिका में उठाए गए अन्य विधिक प्रश्नों पर अलग से सुनवाई की जा सके।

117 करोड़ के अधिवक्ता चैंबर-पार्किंग प्रोजेक्ट की याचिका निराकृत

हाईकोर्ट के इर्द-गिर्द यातायात सुधारने जारी की गई गाइडलाइन

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने गुरुवार को हाईकोर्ट भवन के सामने प्रस्तावित 117 करोड़ रुपये के अधिवक्ता चैंबर और मल्टीलेवल पार्किंग प्रोजेक्ट को लेकर दायर याचिका का महत्वपूर्ण दिशा निर्देश सहित पटाक्षेप कर दिया। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने केवल अधिवक्ता चैंबर निर्माण प्रक्रिया लंबित होने पर असंतोष जताया। इसके साथ ही हाईकोर्ट परिसर के आसपास बढ़ते यातायात और पार्किंग संकट पर महत्वपूर्ण गाइडलाइन जारी कर दी। दिलचस्प यह है कि अदालत की टिप्पणियों और निर्देशों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार पूलिंग की अपील भी उठी।

अनुशासन के कड़े निर्देश, राज्य की ओर से पेश की गई टेंडर जारी होने की जानकारी

कोर्ट ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष धन्य कुमार जैन और अधिवक्ता सुरेन्द्र वर्मा की याचिका का निराकरण करते हुए स्पष्ट किया कि अब जबकि टेंडर प्रक्रिया जारी हो चुकी है, याचिका को लंबित रखने का औचित्य नहीं रह जाता। हालांकि कर्ट ने यह रास्ता खुला रखा कि यदि भविष्य में राज्य सरकार परियोजना को लेकर अनावश्यक विलंब करती है तो याचिकाकर्ता पुनः न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है।

पानी संकट से भड़के व्हीकल फैक्टरी कर्मचारी

प्रशासनिक भवन के धरना देकर फोड़े मटके

जबलपुर। व्हीकल फैक्टरी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति ठप होने से कर्मचारियों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। दो दिनों से पानी नहीं मिलने से परेशान कर्मचारी प्रशासनिक भवन के सामने धरने पर बैठ गए और मटके फोड़कर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए जल्द जलापूर्ति बहाल करने की मांग उठाई।कर्मचारियों का कहना है कि पहले सीमित मात्रा में ही सही, लेकिन पानी की आपूर्ति हो रही थी, जिससे किसी तरह काम चल जाता था। पिछले दो दिनों से शासकीय आवासों और फैक्टरी के विभिन्न विभागों में एक बूंद पानी भी नहीं पहुंचा है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि समस्या की जानकारी प्रबंधन को दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों से चर्चा कर जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

केन्द्र सरकार ने सीएस को जारी किया पत्र, सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश

बरगी क्रूज हादसे के बाद जल परिवहन सुरक्षा पर सख्ती

जबलपुर। गत 30 अप्रैल को बरगी जलाशय में हुए भीषण क्रूज हादसे के बाद केंद्र सरकार ने जल परिवहन सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। हादसे में कई लोगों की जान जाने के बाद अब जल पर्यटन स्थलों पर संचालित होने वाली नावों और क्रूज सेवाओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक स्तर पर कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। केंद्र सरकार ने राज्यों को अंतरदेशीय जल परिवहन से जुड़े सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं और इस संबंध में मध्यप्रदेश सरकार से विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी गई है।गौतलब है कि 30 अप्रैल 2026 को बरगी जलाशय में लगभग 35 से 40 यात्रियों को लेकर जा रहा एक पर्यटन क्रूज दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गया था। इस दर्दनाक हादसे में कई लोगों की असमय मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद जल पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा मानकों, नाव संचालन की व्यवस्थाओं और प्रशासनिक निगरानी को लेकर गंभीर सवाल उठे थे।

केन्द्र से आया पत्र

इसी क्रम में भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) के अध्यक्ष सुनील पालीवाल ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक महत्वपूर्ण पत्र भेजा है। पत्र में अंतरदेशीय पोत अधिनियम-2021 के तहत निर्धारित सुरक्षा नियमों को पूरी सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही राज्य स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया गया है।पत्र में कहा गया है कि जल परिवहन क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरदेशीय पोत अधिनियम-2021 पहले से लागू है, लेकिन कई राज्यों में इसके प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। अधिनियम के तहत पर्यटन स्थलों पर संचालित सभी प्रकार की नावों, मोटरबोट और क्रूज के लिए डिजाइन मानकों का पालन, नियमित तकनीकी परीक्षण, फिटनेस प्रमाणपत्र, क्षेत्रीय पंजीयन और बीमा अनिवार्य किया गया है।

आपातकालीन संसाधन सुनिश्चित करें

इसके अलावा प्रत्येक नाव में यात्रियों की संख्या के अनुरूप लाइफ जैकेट उपलब्ध कराना, अग्निशमन उपकरण रखना, आपातकालीन बचाव संसाधनों की व्यवस्था करना और प्रशिक्षित चालक दल की तैनाती सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। नियमों के अनुसार बिना वैध अनुमति और निर्धारित सुरक्षा मानकों के किसी भी जलयान का संचालन नहीं किया जा सकता।केंद्र सरकार ने अपने पत्र में राज्य सरकारों की जिम्मेदारी भी स्पष्ट की है। प्राधिकरण का कहना है कि कानून और नियम बनाए जाने के बाद उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निगरानी की जिम्मेदारी राज्यों की होती है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में अब तक अधिनियम से संबंधित आवश्यक अधिसूचनाएं पूरी तरह जारी नहीं की गई हैं, जिसके कारण नियमों का जमीनी स्तर पर पालन प्रभावित हो रहा है।

मुख्य सचिव ने जारी किये निर्देश

मुख्य सचिव अनुराग जैन से संबंधित विभागों को नामित करने, आवश्यक अधिसूचनाएं जारी कराने तथा सुरक्षा मानकों के पालन की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके बाद राज्य सरकार के गृह, पर्यटन और परिवहन विभाग भी सक्रिय हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में बरगी जलाशय के अलावा तवा, गांधी सागर, बाणसागर और भोपाल की बड़ी झील सहित प्रदेश के प्रमुख जल पर्यटन स्थलों पर संचालित नावों और जल सेवाओं का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जा सकता है। इसमें नावों की फिटनेस, पंजीयन, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, चालक दल की योग्यता और आपातकालीन व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी।

ट्रेन में मोबाईल चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। रेलवे पुलिस जबलपुर ने मोबाइल चोरी के दो मामलों का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कटनी निवासी 26 वर्षीय विपिन कुमार बढ़ई को मदनमहल रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 16,500 रुपये कीमत का चोरी का मोबाइल बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने मोबाइल कैमोर निवासी रवि तिवारी उर्फ राका को 1,000 रुपये में बेच दिया था। पुलिस ने रवि तिवारी को भी हिरासत में लेकर उसके पास से मोबाइल बिक्री से प्राप्त 500 रुपये नकद जब्त किए हैं।

जांच के दौरान विपिन कुमार ने तीन-चार माह पूर्व इंटरसिटी एक्सप्रेस के जनरल कोच से एक अन्य यात्री का मोबाइल चोरी करने की बात भी स्वीकार की। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 9 हजार रुपये मूल्य का दूसरा मोबाइल भी बरामद कर लिया। जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत के निर्देशन में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना और कॉल डिटेल रिकॉर्ड के आधार पर कार्रवाई करते हुए कुल 25,500 रुपये मूल्य के दो मोबाइल और 500 रुपये नकद जब्त किए।

गुरु द्वारे में हजारों श्रद्धालुओं ने टेका माथा

गुरु अर्जन देव शहीदी दिवस पर सजा कीर्तन दरबार

जबलपुर।

सिख धर्म के पांचवें गुरु, शहीदों के सरताज, श्री गुरुग्रंथ साहिब के सृजक, गुरु अर्जन देव जी महाराज का शहीदी दिवस समारोह गुरुद्वारा गुरुनानक दरबार गोरखपुर प्रांगण में पूर्ण आस्था विश्वास और श्रद्धाभक्ति के साथ मनाया गया। इस मौके को श्री दरबार साहिब अमृतसर स्वर्णमंदिर पंजाब के हुजूरी रागी जत्था भाई जरनैल सिंह कोहारका एवं साजिंदे साथियों ने सम सामयिक गुरुवाणी शबद "तेरा कीया मीठा लागे हरिनाम पदारथ नानक मांगे" का सरस गायन कर साध संगत को रसविभोर कर दिया ।

विख्यात कथावाचक ज्ञानी मनदीप सिंह मुरीद, अमृतसर ने कहा कि गुरु अर्जन देव जी ने श्री हरिमंदिर साहिब स्वर्णमंदिर का निर्माण कराया और श्रीगुरुग्रंथ साहिब का संकलन संपादन करके ईश्वर के सनातनी अवतारों, सिख गुरुओं और संतों की ईश्वरीय गुरुवाणी को सम्मानजन स्थान प्रदान किया, ये सिक्खों के जीवित सर्वोच्च गुरु माने जाते हैं, जो आज विश्व धरोहर हैं। उन्होंने आगे कहा कि गुरुजी के बढ़ते प्रभाव से ईर्ष्या करने वाले तत्कालीन मुगल बादशाह जहांगीर ने गुरुजी को जेठ मास की तपती दोपहर में धधकते गर्म तवे पर बिठाकर सिर पर गर्म रेत डालने जैसी भयानक यातनाएं दे कर शहीद कर दिया। इसके साथ ही रागी जत्था भाई बलजीत सिंह, गोरखपुर एवं स्त्री सत्संग सभा सहित अनेक विद्वतजनों ने शबद कीर्तन पेश किया । इस दौरान जनप्रतिनिधि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पूर्व राज्य मंत्री हरेंद्र जीत सिंह बब्बू, रत्नेश सोनकर, पार्षद जयलक्ष्मी चक्रवर्ती, काके आनंद, कुंवरपाल सिंह शेरू एवं श्रीमती ऊषा सिंह सहित हजारों श्रद्धालुओं ने यहां मत्था टेक कर गुरु का लंगर पंगत में बैठकर ग्रहण किया । प्रधान साहब रजिंदर सिंह छावड़ा ने शाल एवं सिरोपा प्रदान कर इन्हें सम्मानित किया। मुख्य ग्रंथी ज्ञानी हरजीत सिंह खालसा ने सर्वत्र के भले की अरदास प्रार्थना संपन्न करवाई। मनप्रीत सिंह आहूजा मिक्की ने संचालन किया। गोरखपुर, मदनमहल, इकबाल भवन, जसूजा सिटी, रांझी, अधारताल एवं खमरिया सहित नगर केविभिन्न क्षेत्रों में मीठी लस्सी छबील के स्टाल लगाकर गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित की । प्रधान साहब रजिंदर सिंह छावड़ा, हरजीत सिंह सूदन कुक्कू, मनप्रीत सिंह आहूजा मिक्की, सोनू सलूजा, करनैल सिंह छाबड़ा एवं प्रबंधक कमेटी ने आभार व्यक्त किया

सद्भावना मंच ने समान नागरिक संहिता के विरोध में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। सद्भावना मंच जबलपुर द्वारा घंटाघर में कलेक्टर को समान नागरिक संहिता के विरोध में ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर बहुजन मुक्ति मोर्चा, बुद्धिस्ट इंटरनेशनल फोरम, भारत मुक्ति मोर्चा एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। मंच ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता में किसी प्रकार का हस्तक्षेप न किया जाए तथा कोई भी कानून जबरन लागू न किया जाए। उन्होंने ड्राफ्ट कमेटी को 11 बिंदुओं पर आधारित आपत्तियाँ एवं सुझाव भी प्रस्तुत किए, जिसमें कहा गया कि प्रस्तावित कानून संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों, विशेषकर धार्मिक स्वतंत्रता से टकराता है। मुख्य मांगों में यह भी शामिल रहा

कि जिस प्रकार आदिवासी जनजाति समुदाय को इस कानून से बाहर रखा गया है, उसी प्रकार अल्पसंख्यक समुदाय को भी इससे बाहर रखा जाए तथा उनके पर्सनल लॉ में किसी प्रकार का हस्तक्षेप न किया जाए। इस अवसर पर सद्भावना मंच के अध्यक्ष एडवोकेट ओपी यादव, सचिव शकील अहमद सहित घनश्याम यादव, अमित पांडे, भावना दीक्षित, अंजना कुररिया, दलबीर सिंह, गुरमीत सिंह, गुलाम रसूल, अतुल जोसफ, मोहम्मद मेहंदी, राम राज पटेल, प्रवीण गविए, चंद्रशेखर टुडे, राहुल बोध, मधुसूदन पटेल, संजय बोध एवं रमन पटेल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

समाजसेवी रमेश श्रीवास काकाजी को काठमांडू के अंतर्राष्ट्रीय आयुष सम्मेलन में मिला सम्मान

जबलपुर।

भारत-नेपाल सहयोग से काठमांडू में आयोजित इंटरनेशनल आयुष कांकलेव 4.0 (नेपाल एडिशन) में संस्कारधानी जबलपुर के वरिष्ठ समाजसेवी रमेश श्रीवास काकाजी को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें जल चिकित्सा, स्वास्थ्य जागरूकता, दूषित जल से होने वाली बीमारियों के बचाव तथा खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों के दुष्प्रभाव से जुड़ी बीमारियों पर उनके योगदान एवं उद्बोधन के लिए प्रदान किया गया।

यह आयोजन सिविक काउंसिल फॉर इंटरएक्टिव वैद्या इनोवेशन कोलैबोरेशन (इंडिया) और नेपाल चेम्बर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें आयुष चिकित्सा, डिजिटल हेल्थ, शोध, नवाचार और वैश्विक सहयोग जैसे विषयों पर वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में नेपाल चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, नेपाल स्थित भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि सुमन शेखर एवं लीजेंड्स वर्ल्ड रिकॉर्ड्स दुबई के प्रतिनिधि कुलदीप चतुर्वेदी द्वारा संयुक्त रूप से सम्मान प्रदान किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित नेपाल, मलेशिया, कनाडा, यूएई, बांग्लादेश और सिंगापुर से आए आयुष चिकित्सक, शोधकर्ता एवं विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम में 254 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

48वीं अंतर क्षेत्रीय तैराकी प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

जबलपुर।

केंद्रीय खेल एवं कला परिषद, म.प्र. पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित 48वीं अंतर क्षेत्रीय तैराकी प्रतियोगिता (वर्ष 2026-27) का शुभारंभ 18 जून को रामपुर स्थित तरणताल में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अभियंता (मा.संसा. एवं प्रशा.) धीरेन्द्र सिंह, म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर ने की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य) अशोक सिंह धुर्वे, अति. मुख्य महाप्रबंधक (संचा./संधा.) संजय निगम, मुख्य महाप्रबंधक (क्रय एवं भंडार) अवनीश तिवारी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल) प्रहलाद मर्सकोले, अति. मुख्य महाप्रबंधक (आईटी) प्रशांत कुमार तथा महाप्रबंधक (स्थापना) आर.सी. साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में म.प्र. पावर जनरेटिंग कंपनी, म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी तथा म.प्र. पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के 09 क्षेत्रों एवं संभागों से लगभग 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें फ्री स्टाइल, बैक स्ट्रोक, बटरफ्लाई, ब्रेस्ट स्ट्रोक, इंडिविजुअल मेडले एवं मेडले रिले जैसी विभिन्न तैराकी स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। अतिथियों ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए खेलों के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर जोर दिया। प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 19 जून 2026 को सायं 4:00 बजे आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सम्पदा सराफ, मुख्य महाप्रबंधक (मा.संसा. एवं प्रशा.), म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अभियंता (जबलपुर क्षेत्र) एस.के. गिरिया के नेतृत्व में तथा अधीक्षण अभियंता (सं./सं.) वृत्त, जबलपुर खुशियाल शिववंशी द्वारा किया जा रहा है।

नियमित योगाभ्यास से सर्वांगीण विकास संभव

जबलपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्मॉल वंडर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य विलियम डाइस ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की एक अनमोल देन है जो तन मन और आत्मा को एक सूत्र में पिरोती है, आज पूरा विश्व योग की शक्ति और इसके महत्व को स्वीकार कर रहा है, इस वर्ष (2026) हम "स्वस्थ बुढ़ापे और दीर्घायु के लिए योग" थीम के साथ यह दिवस मना रहे हैं, आज की अच्छी आदतें ही हमारे सुरक्षित भविष्य की नींव हैं। योग को केवल एक दिन का उत्सव न बनाएं, बल्कि इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, करें योग रहें निरोग।

मझौली नगर में आवारा कुत्तों का आतंक नागरिकों ने की त्वरित कार्रवाई की मांग

मझौली।

नगर मझौली में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से लोगों में दहशत का माहौल है। नगर के विभिन्न वार्डों में कुत्तों के झुंड खुलेआम घूमते हुए राहगीरों, बच्चों और बुजुर्गों पर हमले कर रहे हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों में भय और आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह और शाम के समय सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है। कई जगह कुत्तों के काटने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। नागरिकों का आरोप है कि नगर परिषद द्वारा न तो कुत्तों की संख्या नियंत्रण के लिए कोई ठोस अभियान चलाया जा रहा है और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनका टीकाकरण एवं नसबंदी कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा प्रभावित लोगों के उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

राजस्व अमले की मध्यस्थता से सुलझा सड़क निर्माण विवाद, सलैया में कार्य पुनः शुरू

बरेला। ग्राम सलैया में लोक निर्माण विभाग द्वारा चल रहे सड़क निर्माण कार्य के दौरान जल निकासी को लेकर ग्रामीणों और किसानों द्वारा उठाई गई आपत्तियों के कारण कार्य कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। मामला सामने आने पर प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए स्थल पर पहुंचकर समाधान कराया। अतिरिक्त तहसीलदार शशांक दुबे के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम, पीडब्ल्यूडी उपयंत्री तथा क्षेत्रीय पटवारी ने मौके का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों और किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना गया।

प्रशासन द्वारा जल निकासी के लिए एक व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किया गया, जिसके तहत आपसी सहमति से कुछ खेतों की मेढ़ के बीच से पक्की सीसी नाली बनाने का निर्णय लिया गया, ताकि पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके और किसानों की फसल या खेतों को कोई नुकसान न पहुंचे। सभी पक्षों की सहमति के बाद सड़क निर्माण कार्य की बाधा दूर हो गई और कार्य पुनः सुचारू रूप से प्रारंभ कर दिया गया।

एसडीसी नेशनल लेवल मिक्स बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए रवाना हुई मप्र टीम

जबलपुर। मध्यप्रदेश मिक्स बॉक्सिंग एसोसियेशन के संरक्षक डॉ. प्रकाश धीरावानी के अनुसार दिनांक 20 एवं 21 जून को रायपुर में आयोजित प्रतियोगिता के लिए मप्र मिक्स बॉक्सिंग एसो. के अध्यक्ष नीलेश रावल द्वारा सभी चयनित खिलाड़ियों को किट प्रदान की गई। संघ के सचिव सुभाष माझी, कोषाध्यक्ष विनोद पोद्दार, उपाध्यक्ष केएल घोष, विनोद ठाकुर, प्रवीण गुप्ता, प्रवीण यादव, राजेन्द्र धवलपुरी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। टीम में खुशी ठाकुर, तनीषा बर्मन, फजहर अहमद मंसूरी, व्योम सिंह ठाकुर, असमित यादव, यश ठोके, उमर मनियार, आगेश, वेदांत सिंह राजपूत, बृजेश परिहार, शौर्य सिंह राजपूत, मयूर पटेल, हर्ष कहार, सात्विक कश्यप, अंश परिहार रवाना हुए।

रादुविवि दीक्षांत रिहर्सल में विवाद, 220 स्कॉलर्स ने मंचीय सम्मान को लेकर जताया विरोध

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह से पहले आयोजित रिहर्सल के दौरान उस समय विवाद की स्थिति बन गई जब यह जानकारी सामने आई कि 21 जून को होने वाले दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति के कर-कमलों से केवल 20 चयनित विद्यार्थियों को ही मंच पर स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्रदान की जाएगी, जबकि शेष लगभग 220 स्वर्ण पदकधारी, पीएचडी, डी.लिट. एवं डीएससी शोधार्थी केवल निर्धारित स्थान से ही अभिवादन करेंगे। इस निर्णय के बाद उपस्थित विद्यार्थियों में असंतोष फैल गया और उन्होंने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए विरोध दर्ज कराया। विद्यार्थियों का कहना था कि समान उपलब्धि प्राप्त सभी स्कॉलर्स के साथ समान व्यवहार होना चाहिए और चयन के मानदंड सार्वजनिक किए जाने चाहिए। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में शोधार्थी कुलगुरु कार्यालय पहुंचे और समान अवसर एवं पारदर्शिता की मांग की। विद्यार्थियों ने सुझाव दिया कि यदि सभी को राष्ट्रपति के हाथों मंचीय सम्मान देना संभव नहीं है, तो शेष विद्यार्थियों को राज्यपाल द्वारा उपाधि एवं पदक प्रदान किए जाएं। इसी बीच कुछ विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के एक

कर्मचारी पर अभद्र व्यवहार का आरोप भी लगाया, जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्रवाई की मांग की गई। बाद में कुलगुरु ने विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल से चर्चा की, जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय की परंपरा और व्यवस्था को लेकर अपनी आपत्तियाँ रखीं। विद्यार्थियों ने इस मुद्दे पर जिला प्रशासन एवं विश्वविद्यालय को संयुक्त ज्ञापन भी सौंपा। विरोध में शामिल शोधार्थियों और स्वर्ण पदकधारियों ने इसे समानता और सम्मान के अधिकार से जुड़ा विषय बताते हुए पारदर्शी व्यवस्था की मांग की।

प्रधानमंत्री के सेवा, सुशासन के 12 पूर्ण होने पर लगा जन कल्याणकारी शिविर

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर रानी लक्ष्मीबाई वार्ड क्र. 66 में विशाल जन कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। केंट विधायक अशोक रोहाणी के मार्गदर्शन एवं वार्ड पार्षद कृष्णादास चौधरी के प्रयासों से आयोजित इस शिविर में नगर निगम के अधिकारियों द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा नागरिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही की गई। शिविर में क्षेत्र के लगभग 300 हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने उपस्थित होकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की एवं अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से शासन की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर लोचन प्रसाद दुबे, मेवालाल यादव, मंडल अध्यक्ष आशीष राव, संतोष रजक, संजय वर्मा, संतोष यादव, अरुणा कुशवाहा, आशुतोष दुबे, डॉ. संतलाल चौधरी, अनिल प्रताप ठाकुर, बृजलाल चौधरी, वंदना विनोदिया, आरती बेन, मोनू सेन, दुर्गा मिश्रा, मनी ठाकुर, देविका ठाकुर, श्रवण रजक सहित भाजपा के समस्त कार्यकर्ता व हितग्राही तथा क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

जैन समाज का श्रुत पंचमी विधान आज

जबलपुर। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन स्वर्ण मंदिर लॉर्डगंज, जैन पंचायत सभा, जैन नवयुवक सभा, जैन संरक्षण सभा एवं अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद लॉर्डगंज शाखा के सहयोग से पूज्य मुनि श्री 108 श्री निर्दोष सागर महाराज, 108 निष्कप सागर महाराज, 108 निष्काम सागर महाराज, 105 गुरुमति माताजी ससंघ, 105 द्रधमति माताजी ससंग, 105 गुणमती माताजी ससंग के सानिध्य में आज दिनांक 19 जून को जिनवाणी शोभा यात्रा कमानिया गेट से निकाली जाएगी उसके पश्चात मुनि राज के एवं माता जी ससंग के प्रवचन श्री विद्यासागर सभागार लाखा भवन में होंगे। चंदना संभाग अध्यक्ष संध्या जैन शांत, शाखा अध्यक्ष मीना बड़कुल, सचिव संजना जैन, कोषाध्यक्ष भानु प्रिया जैन ने समाज के सभी वर्गों से शोभा यात्रा में शामिल होने का निवेदन किया है, शोभायात्रा में सभी लोग शामिल होकर धर्म लाभ लें।

नाम परिवर्तन सूचना

मै सपना बाई (SAPNA BAI) सर्व साधारण को सूचित करती हूँ कि मेरे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय दस्तावेजो मे मेरा नाम सपना बाई (SAPNA BAI) है जो कि सही है। परन्तु मेरे आधार कार्ड में लिपिक त्रुटिवश गोरी देवी (GORI DEVI) दर्ज हो गया है, जो कि गलत है, यह विज्ञप्ति के बाद मुझे सपना बाई (SAPNA BAI) के नाम से जाना पहचाना जावे।
गलत नाम-गोरी देवी (GORI DEVI)
सही नाम-सपना बाई (SAPNA BAI)
निवासी-29/1, खापामाल, ग्राम पंचायत खापामाल जनपद पंचायत बीजाडांडी तह. नारायणगंज जिला - मण्डला

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कोटा, जिला बिलासपुर, छ.ग.
राजस्व अपील
प्र.क्र.202602072200008/अ-6/2025-26, ग्राम-रतनपुर, तहसील-रतनपुर, जिला बिलासपुर, छ.ग.
क्रमांक /1156/ वाचक-1/2026 कोटा/दिनांक 10/06/26
पक्षकार
डी.डी. आहूजा पिता स्व. टेहकनदास आहूजा वगै. उम्र 66 वर्ष निवासी मेनरोड नया सरकंडा बिलासपुर, तहसील, एवं जिला बिलासपुर, छ.ग..अपीलार्थीगण।
बनाम
तारा शिंदे पति भरतराव वगै. निवासी करैहापारा, तहसील रतनपुर, जिला बिलासपुर, छ.ग.
.....उत्तरवादीगण।
''सूचना''
प्रति,
1. यशवंत पिता कामेश्वर 2. संजय पिता कामेश्वर 3.अजय पिता कामेश्वर निवासी करैहापारा रतनपुर, जिला बिलासपुर, छ.ग.4. शालिनी पिता शत्रुहनराव निवासी मकान नं. 197 वीर सावरकर वार्ड गढ़ा, जबलपुर म.प्र.
विषय:-पेशी में उपस्थित होने बाबत।
इस न्यायालय में अपीलार्थीगण श्री डी.डी आहूजा पिता स्व. टेहकनदास आहूजा वगै.. निवासी मेनरोड नया सरकंडा बिलासपुर, तहसील एंव जिला बिलासपुर, छ.ग.भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 (1) के तहत ग्राम-रतनपुर न्यायालय तहसीलदार, रतनपुर के रा.प्र.क्र. 202508072 300015/31-6/2024-2025, आदेश दिनांक 11.12.2025 के विरूद्ध में अपील आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 25.06.2026 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में नियत है।
एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि, आप उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में उक्त दिनांक एवं स्थान में 11.00 बजे स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण में भाग ले सकते है। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।
यह भी सूचित किया जाता है कि, यदि उक्त नियत दिनांक को अवकाश घोषित हो जाता है, तो प्रकरण की सुनवाई आगामी न्यायालयीन दिवस में की जावेगी।
आज दिनांक.....को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर द्वारा जारी किया गया।
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कोटा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार खम्हरिया वृत्त जबलपुर
रा. प्र. क्र. 3468/अ-6/2026-27
आम ईश्तहार
ग्राम सिलगौर तहसील व जिला जबलपुर की आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक किरण पटेल पति राजेन्द्र पटेल निवासी:- वार्ड नं. 3, ब्यौहारी चौक, बरेला बल्हवारा, जबलपुर ने ग्राम सिलगौर, प.ह.नं. 79, राजस्व निरीक्षक मंडल खम्हरिया स्थित भूमि ख.नं. 119 रकबा 0.7800है. भूमि के वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया है। अतः उक्त भूमि के वसीयतनामा आधार पर नामांतरण तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 23/06/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी दिनांक व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा। इश्तहार आज दिनांक 08/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया ।
जारी दिनांक - 08/06/2026
पेशी दिनांक - 23/06/2026
अतिरिक्त तहसीलदार खम्हरिया वृत्त जबलपुर

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अमित बाशानि AMIT BASHANI पिता आनंद राम बाशानि वर्तमान निवासी – प्लाट नं. 70, स्वास्तिक सिटी, राजुल सिटी के पास, फेज–1 कजरवारा रोड, वार्ड नं. 66, बिलहरी जिला जबलपुर म.प्र. शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि यह कि, मेरे पासपोर्ट नं. U3789535 में त्रुटिवश मेरा नाम AMIT KUMAR BASHANI दर्ज हो गया था। यह कि, मेरे सभी दस्तावेजों, जैसे– आधार कार्ड पेन कार्ड एवं अंकसूची में मेरे नाम अमित बाशानि AMIT BASHANI दर्ज है तथा मैं सभी जगह अपना नाम AMIT BASHANI लिखता पढ़ता हूँ। इस शपथ पत्र का उद्देश्य मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम AMIT BASHANI नाम सुधार करवाकर नवीनीकरण करवाना है।
पुराना नाम–AMIT KUMAR BASHAN
वर्तमान नाम–AMIT BASHANI

निधन

श्री विनीत श्रीवास्तव- एमआईजी 175, धनवंतरी नगर निवासी श्री विनीत श्रीवास्तव (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कंचन बर्मन- गुलौआ चौक के पास गढ़ा निवासी श्री अभिषेक बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती कंचन बर्मन (27) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती मीरा बाई कोल- कांचघर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री गंगादीन कोल की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा बाई कोल (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री संतोष विश्वकर्मा- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री संतोष विश्वकर्मा (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती उषा मिश्रा- एलआईजी 98, मदर टेरेसा नगर कटंगी रोड निवासी श्री सुरेश मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती उषा मिश्रा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम किशोर विश्वकर्मा- कमला नेहरू नगर निवासी श्री राम किशोर विश्वकर्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्री संजीव शुक्ला- दयानगर पार्क के पास यादव कॉलोनी निवासी श्री संजीव शुक्ला (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष कुमार गुप्ता- रायल अपार्टमेंट के पास मदनमहल चौक निवासी श्री संतोष कुमार गुप्ता (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्री पंकज केवट- जीसीएफ राम मंदिर के निकट निवासी श्री जगदीश केवट के पुत्र श्री पंकज केवट (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रेखा रोहरा- राइट टाउन निवासी श्री किशोर रोहरा की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा रोहरा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती जयंती बाई पटेल- करमेता निवासी श्रीमती जयंती बाई पटेल (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री शंकर लाल सतीजा- गली नं. 11 शांतिनगर दमोहनाका निवासी श्री शंकर लाल सतीजा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

800 शब्दों की सहमति बनने में लगे 108 दिन खो दिए 122 लाख करोड़ और 10 हजार लोग

महायुद्ध का अधूरा अंत ईरान के आगे झुके ट्रंप

दुनिया को तरक्की के ऐसे पंख लगे कि देखते ही देखते धरती के किसी भी कौने से बैठकर कहीं भी तबाही मचाई जा सकती है। लेकिन शांति की चौखट पर हमारा दिमाग क्यों कुंद हो जाता है इसका जवाब किसी के पास नहीं है। अमेरिका-ईरान और इजराइल की इस जंग में इसे बखूबी देखा गया। मात्र 800 शब्दों और डेढ़ पन्ने के समझौते पर सहमति बनने में 108 दिन लग गए। जहां तक जंग में किसे क्या हासिल हुआ इसके जबवा को तलाशेंगे तो 10 हजार लोगों की मौते और 48 हजार घायल और 122 लाख करोड़ का खर्चा ही दिखाई देता है। अंततः यह महायुद्ध का अधूरा अंत हुआ और न तो ट्रंप ईरान की सत्ता बदल पाए और न ही यूरेनियम पर पूरी तरह काबू कर पाए। अंततः उन्हे ईरान के आगे सरेंडर करना पड़ा।

- जंग चली **108** दिन
- घायल **48** हजार

जंग का खर्चा

- अमेरिका- 9.51 लाख करोड़ रुपए
- ईरान- 22.50 लाख करोड़ रुपए
- इजराइल- 96,600 करोड़ रुपए

कुल मौतें
10 हजार

होर्मुज सिर्फ 60 दिन फ्री, ईरान को 28 लाख करोड़ हर्जाना मिलेगा

अमेरिका और ईरान के बीच एक अंतरिम समझौता हुआ है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच जारी युद्ध पर फिलहाल रोक लग जाएगी। खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होगा। दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल गया है। दोनों देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दोबारा बातचीत शुरू करेंगे। इस डील से ईरान को तुरंत बड़ा फायदा होगा। वह दुनिया में फिर से अपना तेल बेच सकेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस के वर्साय पैलेस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैकों के साथ डिनर के दौरान इस पर दस्तखत किए। तेहरान में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने भी इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों देश अब 60 दिनों तक नए सिरे से बातचीत करेंगे। वहीं, अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप साल 2015 के परमाणु समझौते से बेहतर डील करा पाएंगे? इस पुरानी डील को उन्होंने खुद रद्द कर दिया था।

ये हैं समझौते 14 पॉइंट, जिसके लिए 108 दिन हुई तबाही

- ***होर्मुज स्ट्रेट फिर से खोला जाएगा :*** *ईरान ने वादा किया है कि वह होर्मुज स्ट्रेट फिर से खोल देगा। यह व्यवस्था 60 दिनों तक लागू रहेगी। इस दौरान जहाजों से एक्स्ट्रा टैक्स नहीं लिया जाएगा। इस समझौते की सबसे अहम लाइन है- सिर्फ 60 दिनों तक बिना किसी फीस के। इसका मतलब है कि 60 दिन पूरे होने के बाद ईरान जहाजों पर शुल्क या फीस लगा सकता है। युद्ध से पहले ईरान आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय जहाजों से इस तरह का पैसा नहीं लेता था। अब टैक्स लगाने से वैश्विक समुद्री व्यापार की लागत बढ़ सकती है।*
- ***ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा :*** *समझौते में ईरान ने एक बार फिर भरोसा दिया है कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और न ही उन्हें हासिल करने की कोशिश करेगा। दस्तावेज में कहा गया है कि ईरान के पास पहले से मौजूद संवर्धित यूरेनियम (एनरिच्ड यूरेनियम) के भंडार का क्या किया जाएगा, इस पर दोनों देश मिलकर फैसला करेंगे। इसके लिए एक अलग व्यवस्था बनाई जाएगी, जिस पर आगे की बातचीत में सहमति बनेगी।*
- ***ईरान को 28 लाख करोड़ का हर्जाना :*** *अमेरिका ने अपने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर ईरान के पुनर्निर्माण और विकास के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर, यानी 28 लाख करोड़ रुपए की योजना तैयार करने का वादा किया है।हालांकि, यह पैसा तुरंत नहीं दिया जाएगा। पहले अमेरिका और ईरान को 60 दिनों में अंतिम समझौते पर पहुंचना होगा। इससे ही तय होगा कि 300 अरब डॉलर का फंड कैसे बनाया जाएगा, पैसा कहां से आएगा और उसे किस तरह खर्च किया जाएगा।*
- ***ईरानी तेल के निर्यात पर छूट :*** *समझौते के बाद अमेरिका ईरानी तेल के निर्यात पर राहत देना शुरू कर देगा। इसके लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय जरूरी छूट और मंजूरियां जारी करेगा, ताकि ईरान अपना तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेच सके। यह राहत सिर्फ तेल बेचने तक सीमित नहीं होगी। इसमें बैंकिंग लेन-देन, बीमा, जहाजरानी, माल ढुलाई और अन्य वित्तीय सेवाओं से जुड़ी बाधाओं को भी कम किया जाएगा, जो ईरान के तेल निर्यात में रुकावट बनती रही हैं।*
- ***ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटेंगे :*** *अमेरिका ने ईरान पर लगे सभी प्रतिबंधों को एक-एक करके खत्म करने का वादा किया है। अमेरिका ईरान पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंधों में राहत देकर उसे अपने परमाणु कार्यक्रम पर सख्त शर्तें मानने के लिए तैयार करना चाहता है। माना जा रहा है कि प्रतिबंधों में छूट ही वह सबसे बड़ा फायदा है, जो अमेरिका ईरान को समझौते के बदले दे सकता है।*
- ***अमेरिका समुद्री नाकेबंदी हटाएगा :*** *ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका नौसैनिक नाकेबंदी 30 दिन के भीतर पूरी तरह खत्म करेगा। नाकेबंद हटने से ईरान फिर से अपने बंदरगाहों से तेल और अन्य सामान खरीद-बेच सकेगा। यह ईरान के लिए बहुत बड़ी और तत्काल राहत होगी, क्योंकि उसके ज्यादातर निर्यात चीन को जाते हैं। जैसे ही निर्यात दोबारा शुरू होगा, ईरान के पास विदेशी मुद्रा आनी शुरू हो जाएगी।*
- ***एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देंगे :*** *अमेरिका-ईरान एक-दूसरे की आजादी, सीमाओं और संप्रभुता का सम्मान करेंगे। घरेलू मामलों में दखल नहीं देंगे। समझौते का यह हिस्सा ईरान के सरकार विरोधी गुटों को पसंद नहीं आ सकता। इन्हें उम्मीद थी कि अमेरिका भविष्य में भी ईरान में राजनीतिक बदलाव या लोकतंत्र समर्थक आंदोलनों का खुलकर समर्थन करेगा।*
- ***दोनों पक्ष मौजूदा स्थिति में बदलाव नहीं करेंगे :*** *समझौते में कहा गया है कि जब तक अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौता नहीं हो जाता, तब तक दोनों पक्ष मौजूदा स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेंगे। इसका मतलब है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को अभी जिस स्तर पर चला रहा है, उससे आगे नहीं बढ़ाएगा।यह व्यवस्था इसलिए बनाई गई है ताकि अंतिम समझौते तक दोनों पक्ष कोई नया दबाव न बनाएं। ईरान परमाणु कार्यक्रम नहीं बढ़ाएगा और अमेरिका नए प्रतिबंध या अतिरिक्त सैन्य तैनाती नहीं करेगा।*
- ***दोनों देश मिलकर निगरानी व्यवस्था बनाएंगे :*** *अमेरिका और ईरान मिलकर एक विशेष निगरानी व्यवस्था बनाएंगे, जो यह देखेगी कि एमओयू की सभी शर्तों का सही तरीके से पालन हो रहा है या नहीं। ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वादों का पालन कर रहा है या नहीं। अमेरिका प्रतिबंधों में राहत और अन्य आर्थिक, साथ ही राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहा है या नहीं। दोनों पक्ष समझौते की समय सीमा और शर्तों का पालन कर रहे हैं या नहीं।*
- ***60 दिनों में अंतिम समझौते का टारगेट :*** *अमेरिका-ईरान ने अधिकतम 60 दिनों में समझौता लागू करने का टारगेट रखा है। हालांकि, दोनों देश सहमति से इसे आगे भी बढ़ा सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी मानते हैं कि इतने कम समय में अंतिम समझौते तक पहुंचना आसान नहीं होगा। खासकर इसलिए क्योंकि ईरान के साथ पहले हुई परमाणु बातचीत में कई साल लग चुके हैं।हालांकि, ट्रंप सरकार ने जानबूझकर यह समय सीमा तय की है। अगर तय समय में यह समझौता हो जाता है, तो अमेरिका में नवंबर में होने वाले मिडटर्म इलेक्शन में राष्ट्रपति ट्रम्प को फायदा हो सकता है।*
- ***अंतिम समझौते को यूएनएससी मंजूरी देगी :*** *जब अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौता हो जाएगा, तो उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक प्रस्ताव के जरिए मंजूरी दी जाएगी। इसका मतलब है कि अंतिम समझौता केवल अमेरिका और ईरान के बीच का राजनीतिक समझौता नहीं रहेगा, बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय कानूनी मान्यता भी मिल जाएगी।*

ट्रंप ने जंग के 4 लक्ष्य तय किए, चारों फेल

1. ईरान में इस्लामिक सत्ता उखाड़ फेंकना

अमेरिका-इजराइल ने अपने पहले ही हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिया। उसी दिन ट्रंप ने कहा- ईरान के महान लोगों, आपकी आजादी का समय आ गया है... जब हम अपना काम पूरा कर लेंगे, तो अपनी सरकार पर कब्जा कर लीजिए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उल्टा सुप्रीम लीडर की मौत के बाद ईरान के लोग एकजुट हो गए। खामेनेई के बेटे मुजतबा को नया सुप्रीम लीडर बना दिया। यानी ट्रंप ने पहला लक्ष्य खो दिया।

2. ईरान का परमाणु कार्यक्रम खत्म नहीं हुआ

ट्रंप ने कहा था, अमेरिका की नीति रही है कि इस आतंकवादी रिजीम के पास कोई परमाणु हथियार न हो। अमेरिका चाहता था कि ईरान अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह बंद कर दे और उसके पास जितना संवर्धित यूरेनियम है, अमेरिका को सौंप दे।समझौते में ईरान की परमाणु जरूरतों का जिक्र है। मसलन- बिजली उत्पादन और ऊर्जा जरूरतों के लिए। यही वह रास्ता है जिससे ईरान भविष्य में अपनी परमाणु क्षमता को पूरी तरह खत्म होने से बचाए रख सकता है। यानी ट्रंप दूसरे लक्ष्य को भी नहीं भेद पाए।

3. ईरान के प्रॉक्सी संगठनों को खत्म नहीं कर पाए

इजराइल और अमेरिका लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हूती और फिलिस्तीन में हमास जैसे ईरान के प्रॉक्सी संगठनों को खत्म करना चाहते थे। ईरान-अमेरिका जंग में सबसे ज्यादा मौतें लेबनान में हुई है। इजराइल ने दक्षिण लेबनान में करीब 2,000 वर्ग किमी की जमीन पर कब्जा कर लिया है। इससे हिजबुल्ला काफी कमजोर हो गया, लेकिन खत्म नहीं हुआ।
ट्रंप से समझौते में भी लेबनान का तीन बार जिक्र है और कहा गया है कि वहां भी कोई मिलिट्री ऑपरेशन नहीं होगा। ऐसे ही यमन में हूती अब भी सक्रिय हैं। यानी ट्रंप और नेतन्याहू का ये ऑब्जेक्टिव भी पूरा नहीं हुआ।

4. ईरान का बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम खत्म नहीं हुआ

ट्रंप ने हमले की वजह बताते हुए कहा था, ईरान के पास हमारे मिलिट्री बेसेस और यूरोप तक पहुंचने वाली मिसाइलें हैं। जल्द ही वो अमेरिका तक पहुंचने वाली मिसाइलें भी बना लेंगे। अमेरिका-इजराइल ने ईरान के प्रमुख मिसाइल कॉम्प्लेक्स को निशाना बनाया। कई ठिकानों पर हमले कर भारी नुकसान किया। लेकिन 7 जून को इजराइल पर बैलेस्टिक मिसाइल हमले से साफ हो गया कि ईरान की क्षमता खत्म नहीं हुई है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि ईरान ने सुधारना भी शुरू कर दिया है।

अब आगे क्या होगा?

सब कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि अंतिम समझौता कैसा होता है। 2015 में ओबामा प्रशासन के समय हुए समझौते में ईरान पर 15 साल के लिए सख्त पाबंदियां लगाई गई थीं। तब ईरान एक निश्चित सीमा से अधिक यूरेनियम को समृद्ध नहीं कर सकता था। उसे केवल 300 किलोग्राम यूरेनियम रखने की इजाजत थी और उसकी सेंट्रीफ्यूज मशीनों को कम कर दिया गया था। उस डील की सबसे बड़ी कमी यह थी कि 15 साल बाद ईरान फिर से परमाणु बम बनाने के रास्ते पर आगे बढ़ सकता था। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ट्रंप प्रशासन इस बार ईरान पर अधिक समय के लिए और ज्यादा सख्त पाबंदियां लगवा पाएगा?

ईरान जंग से भारत पर 6 बड़े असर दिखे

1. क्रूड ऑयल महंगा होने से इम्पोर्ट बिल बढ़ा
2. विदेशी मुद्रा भंडार घटा, रुपया कमजोर
3. जीडीपी की रफ्तार पर असर
4. थोक महंगाई 43 महीने में सबसे ज्यादा
5. उर्वरकों के उत्पादन में गिरावट
6. भारतीय मारे गए, डिप्लोमेटिक नुकसान

जलमार्ग खुलने से पेट्रोल-डीजल सस्ता होगा!

युद्ध के दौरान ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया था। यह रास्ता ईरान का सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ। दुनिया का 20% तेल इसी रास्ते से गुजरता है। रास्ता बंद होने से दुनिया भर में ईंधन, खाना और खाद महंगी हो गई थी। अमेरिका में भी महंगाई (मुद्रास्फीति) बढ़कर 4% हो गई थी। इससे वहां होने वाले मध्यावधि चुनावों में ट्रंप की मुश्किलें बढ़ रही थीं। अब समझौते के तहत यह रास्ता खुल गया है। अमेरिका भी ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी हटा लेगा। अगले 60 दिनों तक इस रास्ते से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह मुफ्त रहेगी। इसके बाद फीस ली जा सकती है। इससे दुनिया भर में गैस और तेल की कीमतें कम होंगी। ईरान ने अमेरिका और इजराइल के उस प्रयास को विफल कर दिया है, जो उसकी सरकार को गिराने के लिए किया गया था। इस युद्ध के शुरुआती हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता और कई बड़े अधिकारी मारे गए थे।

ईरान को भविष्य के लिए क्या मिला

परमाणु कार्यक्रम पर शर्तः अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14-सूत्रीय ऐतिहासिक अंतरिम समझौते में परमाणु मुद्दे पर एक तात्कालिक और अस्थायी सहमति बनी है, जिसे आने वाले दिनों में अंतिम रूप दिया जाना है। ईरान ने इस समझौते में स्पष्ट रूप से यह भरोसा दिया है कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, विकसित नहीं करेगा और न ही खरीदेगा। प्रतिबंधों से पूरी मुक्ति का वादाः अगर नया परमाणु समझौता हो जाता है, तो ईरान पर लगे सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। 2015 के समझौते में केवल परमाणु से जुड़े प्रतिबंध हटे थे, लेकिन आतंकवाद और मानवाधिकार के मुद्दे पर प्रतिबंध जारी थे। इस बार पूरी राहत का वादा है। पुनर्निर्माण के लिए बड़ा फंडः युद्ध के बाद ईरान को दोबारा खड़ा करने के लिए 300 अरब डॉलर का फंड बनाया जाएगा। ट्रंप ने साफ किया है कि अमेरिका इसमें कोई पैसा नहीं देगा।

समझौते के बीच भारत में इजराइल के राजदूत बोले-हम पीछे नहीं हटेंगे

शांति समझौते के बीच बीच इजराइल अपने पुराने रुख पर ही अड़ा हुआ नजर आ रहा है। भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने एक इंटरव्यू में बड़ा बयान देते हुए कहा कि दक्षिणी लेबनान से अपनी सेना नहीं हटाएंगे और वहां अपनी सैन्य मौजूदगी बनाए रखेंगे। उनका कहना है कि यह फैसला इजरायल की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इजरायल अपने आत्मरक्षा के अधिकार से कभी पीछे नहीं हटेगा और अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि तनाव कम करने और स्थायी समाधान की दिशा में सार्थक पहल होती है, तो इजराइल कूटनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए तैयार है। उनके अनुसार, इजराइल सुरक्षा और शांति दोनों के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ना चाहता है।

द इंडिया स्टोरी का पोस्टर रिलीज, काजल और श्रेयस उठाएंगे मिलावटखोरी का मुद्दा

मुंबई। एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अगली फिल्म 'द इंडिया स्टोरी'में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है। द इंडिया स्टोरी फिल्म खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है और एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा पेश करने वाली है। पोस्टर में श्रेयस तलपड़े एक बीमार छोटी बच्ची को गोद में उठाए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में बॉम्बे हाई कोर्ट दिखाया गया है। साथ ही एक कीटनाशक का सिलेंडर गवाह के बॉक्स में रखा हुआ नजर आता है, जो इस बात का इशारा करता है कि फिल्म में कानूनी लड़ाई अहम भूमिका निभाएगी। फिल्म खाने में मिलावट के खतरनाक असर को दिखाएगी और बताएगी कि यह समस्या देश के लाखों परिवारों को कैसे प्रभावित करती है।

लाइफ Style

अदा

मराठी सिनेमा की तरफ बढ़ाए कदम

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री अदा शर्मा अब मराठी इंडस्ट्री में एक्टिंग का जादू बिखरने को तैयार हैं। उनकी पहली मराठी फिल्म का पहला पोस्टर सामने आ गया है। 'द केरल स्टोरी' और '1920' जैसी फिल्मों से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाली अदा शर्मा अब मराठी इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं।

उनकी पहली फिल्म होगी 'गजरा'। इसका ऐलान हो गया है। साथ ही पहली झलक भी सामने आई है। अदा शर्मा की डेब्यू मराठी फिल्म 'गजरा' का आधिकारिक एलान कर दिया गया है। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। अदा इसमें लीड रोल निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर यह जानकारी साझा की है। साथ ही लिखा है, 'मराठी में मेरी पहली फिल्म 'गजरा'। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है'। अदा शर्मा ने आगे लिखा है, मेरी पहली फिल्म 1920 से केरल स्टोरी, सनफ्लावर, कमांडो, बस्तर, रीता सान्याल तक, आपने मुझे बहुत प्यार दिया। हार्टअटैक, क्षणम, राणा विक्रम और मेरी सभी साउथ फिल्मों के लिए भी खूब प्यार दिया। मुझे अपने मराठी डेब्यू के लिए भी आप सभी के आशीर्वाद, साथ और प्यार की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं आप सभी को गौरवान्वित कर सकूंगी और एक ऐसी फिल्म बना सकूंगी, जिसे आप सभी पसंद करें। फिल्म का पोस्टर काफी दिलचस्प है। इससे सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक अंधेरे, परेशान करने वाली और कठिन कहानी का संकेत मिल रहा है। अदा शर्मा की इस फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं।

हॉलीवुड मसाला

स्पाइडर-मैन की शक्तियां आउट ऑफ कंट्रोल

लॉस एंजिल्स। मार्वल स्टूडियो के लिए 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' का नया ट्रेलर रिलीज हो गया है। सोनी पिक्चर्स इंडिया ने गुरुवार 18 जून की सुबह हिंदी ट्रेलर रिलीज किया है, जिसमें टॉम हॉलैंड पर्दे पर पीटर पार्कर यानी स्पाइडर-मैन बनकर लौट रहे हैं। 2 मिनट 35 सेकेंड के इस ट्रेलर में हमें 'स्पाइडर-मैनः नो वे होम' की घटनाओं के बाद की झलक मिलती है। लेकिन, सबसे अधिक चौंकाने वाला सीन वो है, जहां हम स्पाइडर-मैन को ब्रूस बैनर यानी हल्क से भिड़ते हुए देखते हैं। जैसे-जैसे पीटर खुद को पहले से ज्यादा मुश्किल हालात में धकेलता है, उसकी शक्तियां आश्चर्यजनक तरीकों से बदलने लगती हैं।

उम्मीदों पर खरी उतरेगी अवेंजर्स डूम्सडे

लॉस एंजिल्स। रॉबर्ट डाउनी जूनियर, जो पहले एमसीयू फिल्मों में टोनी स्टार्क यानी आयरन मैन का किरदार निभा चुके हैं, इस बार इस फिल्म में विलेन डॉक्टर डूम के रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म दिसंबर में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हॉलीवुड स्टार रॉबर्ट डाउनी जूनियर ने कहा है कि आने वाली मार्वल फिल्म 'अवेंजर्स डूम्सडे' फैंस की उम्मीदों पर खरी उतरेगी और 'अवेंजर्सः एंडगेम'के बाद दर्शकों को निराश नहीं करेगी। एक इंटरव्यू में, जो उन्होंने फिल्म के को-डायरेक्टर जो रूसो के साथ दिया, रॉबर्ट ने कहा कि फिल्म को बहुत सोच-समझकर बनाया गया है ताकि एवेंजर्सः इन्फिनिटी वार और 'अवेंजर्सः एंडगेम'जैसी बड़ी फिल्मों के बाद भी यह दर्शकों को पसंद आए। उन्होंने कहा, यह सिर्फ मेरी परफॉर्मेंस की बात नहीं है।

दायरा की पहली झलक आई सामने...

नई दिल्ली। सैम बहादुर और राजी जैसी शानदार फिल्में बनाने वालीं निर्देशक मेघना गुलजार आने वाले समय में फिल्म दायरा से दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी। लंबे समय से दायरा की चर्चा चल रही है, जिसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान और साउथ अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे कलाकार अहम किरदार में मौजूद हैं। गुरुवार को दायरा फिल्म की पहली झलक बीटीएस वीडियो के रूप में सोशल मीडिया पर सामने आई है। अभिनेता पृथ्वीराज ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर दायरा का एक लेटेस्ट बीटीएस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आ रहे हैं। उनके साथ करीना कपूर भी लेडी पुलिस इंस्पेक्टर के किरदार में मौजूद हैं। दायरा के इस बीटीएस वीडियो से कन्फर्म होता हो कि ये फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है।

मुसीबत में फंसे लोगों को बचाते दिखे सनी

मुंबई। आमिर खान के बैनर तले बनी फिल्म 'बंटवारा 1947' के फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज होने के अगले ही दिन मेकर्स ने इसका टीजर रिलीज कर दिया। बंटवारे की त्रासदी को दिखाते हुए बैकग्राउंड में आवाज चल रही है, 'हिंदुस्तान, जिसे बड़े संघर्ष और कुर्बानियों के बाद 200 साल की गुलामी से आजादी तो मिली, मगर अफसोस कि मुल्क का बंटवारा हो गया। मजहब के नाम पर इंसानियत की हत्या हो रही थी'। इसके बाद टीजर में बंटवारे के वक्त के उन दिल दहला देने वाले दृश्यों को दिखाने की कोशिश की गई है। बैकग्राउंड आवाज आमिर खान की है। बंटवारे के वक्त के मार्मिक सीन हैं। हर तरफ खून-खराबा है। विभाजन के हाहाकार वाले मंजर के बीच सनी देओल की एंट्री होती है। इसी के साथ शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल और अली फजल की झलक दिखाई गई है।

टीवी मसाला

भक्ति में डूबे 'तारक मेहता के' मिस्टर अय्यर, जमीन पर बैठ बजाया मजीरा

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में मिस्टर अय्यर का किरदार निभाने वाले तनुज महाशब्दे का एक वीडियो चर्चा में हैं, जिसे देख फैंस हैरान हैं और उनकी तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में तनुज महाशब्दे एक भजन संध्या में लीन नजर आ रहे हैं। वह आम लोगों के बीच जमीन पर बैठकर भजन-कीर्तन कर रहे हैं और कृष्ण की भक्ति में लीन हैं। तनुज महाशब्दे साथ ही मजीरा भी बजा रहे हैं। उनका यह अंदाज और आध्यात्म वाला रूप देख फैंस मुरीद हो गए हैं। मालूम हो कि तनुज महाशब्दे 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में मिस्टर अय्यर का किरदार निभाते हैं, जोकि एक साउथ इंडियन किरदार है। वह शो में बबीता जी यानी मुनमुन दत्ता के पति बने हैं।

हालांकि, असल जिंदगी में तनुज महाशब्दे न तो साउथ इंडियन हैं और ना ही उनकी शादी हुई है। वह 45 साल के हैं और मध्य प्रदेश के देवास के रहने वाले हैं। तनुज महाशब्दे मराठी परिवार से हैं। शादी न होने की वजह के बारे में तनुज महाशब्दे ने कहा था कि इसकी वजह उन्हें पता नहीं है, पर वह असल जिंदगी के पोपटलाल हैं, जिनकी शादी नहीं हो पा रही है। हालांकि, उम्मीद जताई थी कि उन्हें जल्द ही अच्छा लाइफ पार्टनर मिल जाएगा। तनुज महाशब्दे ने एक बार एक इंटरव्यू में बताया था कि मिस्टर अय्यर के रोल के लिए उन्होंने कैसे तैयारी की थी। तनुज ने बताया था कि उन्होंने साउथ इंडियन स्टाइल में न सिर्फ लुंगी बांधना सीखा, बल्कि चेन्नई जाकर साउथ इंडियन लोगों के बीच कुछ समय तक रहे भी थे। उन्होंने उनकी तरह ही बोलना, उठना-बैठना और चलने का तरीका भी सीखा।

नागिन की चमकी किस्मत

नई दिल्ली। हर हफ्ते की तरह ही इस हफ्ते की भी ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल ने 18 जून को टीआरपी लिस्ट जारी कर दी है। पिछले हफ्ते की तरह ही इस हफ्ते भी जी टीवी का शो गंगा मां की बेटियां नंबर 1 पर बना हुआ है। इस शो की टीआरपी इस हफ्ते 1.9 रिकॉर्ड की गई है। लिस्ट में दूसरे नंबर पर जीटीवी का ही शो वसुधा है। ये शो पिछले हफ्ते भी नंबर 2 पर था। इस हफ्ते शो की टीआरपी 1.8 रिकॉर्ड की गई है। पिछले हफ्ते शो की टीआरपी 1.9 रिकॉर्ड की गई है। तुम से तुम तकः पिछले हफ्ते की तरह ही इस हफ्ते भी नंबर तीन पर जीटीवी का सो तुम से तुम तक है। शो की इस हफ्ते की टीआरपी 1.8 रिकॉर्ड की गई है। कलर्स के शो नागिन 7 की इस हफ्ते किस्मत चमकी है। ये शो पिछले हफ्ते नंबर 12 पर था और इस हफ्ते शो नंबर चार पर आ गया है। शो की टीआरपी 1.5 रिकॉर्ड की गई है। लिस्ट में 5वें नंबर पर स्टार प्लस का सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 है। ये शो पिछले हफ्ते भी नंबर पांच पर था। इस हफ्ते शो की टीआरपी 1.5 रिकॉर्ड की गई है।

'दीवाने हैं' गाने में अक्षय रवीना का वही पुराना जादू

मुंबई। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का नया और मजेदार गाना 'दीवाने हैं' रिलीज हो चुका है, जिसमें अक्षय कुमार और रवीना की जोड़ी को देखकर लोग पुरानी यादों में खो गए हैं। इस गाने को मुख्यमंत्री देवेंद्र गंगाधरराव फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और आनंद राज आनंद ने गाया है। माना जा रहा है कि ये गाना दर्शकों दर्शकों के दिलों में बसी पुरानी यादों को फिर से तरोताजा कर देगा। कश्मीरी लोक गीत 'रक्षिदा रक्षिदा' के शानदार मेल से सजे इस जोशीले गाने में अक्षय कुमार के साथ रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस की जोड़ी दिख रही है। इस गाने में रवीना के साथ अक्षय कुमार की केमिस्ट्री सभी को गुदगुदा रही है। ये गाना हर तरह से लोगों को नोस्टैलजिक फील दे रहा है। लोगों ने कहा है- एक बार फिर इनके रोमांस के वो पुराने किस्से दिमाग में घूमने लगे। वहीं फिल्म में इस फिल्म में बड़ी स्टारकास्ट शामिल है, जिसमें अक्षय और रवीना के अलावा जैकलीन, दिशा पाटनी, सुनील शेट्टी,अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह, उर्वशी रौतेला जैसे मंझे हुए कलाकारों ने फिल्म में खास भूमिका निभाई है। बताते चलें कि फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का निर्देशन अहमद खान ने किया है। यह फिल्म 'वेलकम' फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग है। इसमें अक्षय कुमार लीड रोल में में हैं, जो अपने आइकॉनिक अंदाज में वापसी कर रहे हैं। साजिद नाडियाडवाला और स्टार स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बिहार का वो लोकगीत, जो सलमान के कॅरियर का बना बड़ा गाना, शारदा को मिली थी 56 रुपए फीस

नई दिल्ली। बिहार की मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा ने लोकगीतों के साथ-साथ फिल्मों में भी कई यादगार और सदाबहार गीत दिए हैं। एक ऐसा ही गीत उन्होंने सलमान खान की फिल्म में भी दिया जो उनके करियर का कल्ट लव सॉन्ग बन गया।

37 साल बाद भी बना हुआ है कल्ट : खास बात यह है कि यह गाना सलमान खान की डेब्यू फिल्म मैंने प्यार किया के लिए बनाया गया था और दिलचस्प पहलू ये है कि शारदा सिन्हा ने भी इसी फिल्म से बॉलीवुड में अपना संगीत डेब्यू किया था। भले ही यह गाना 37 साल पहले बना हो लेकिन यह आज भी बॉलीवुड के कल्ट लव सॉन्ग में से एक बना हुआ है। इस कल्ट लव सॉन्ग में भोजपुरी के लिरिक्स सीधा दिल को छूते हैं और शारदा सिन्हा की आवाज इसे सुरमय बनाती है। गाने के लिरिक्स फिल्म की कहानी पर एकदम फिट बैठते हैं और इसे फिल्म के हीरो हीरोइन सलमान खान और शारदा सिन्हा पर फिल्माए गए हैं। यह गाना है- कहे तोसे सजना।

रिकॉर्डतोड़ कमाई की थी फिल्म ने

1989 में रिलीज हुई रोमांटिक फिल्म मैंने प्यार किया को 1 करोड़ रुपए के बजट में बनाया गया था और इसने बॉक्स ऑफिस पर 45 करोड़ रुपए की रिकॉर्डतोड़ कमाई की थी। डेब्यू फिल्म के लिए सलमान खान को 30,000 रुपएदिए गए थे। लेकिन, आपको जानकर हैरानी होगी की शारदा सिन्हा को यह कल्ट गाना बनाने के लिए सिर्फ 56 रुपए की फीस मिली थी। हालांकि, शारदा सिन्हा कुछ ही फिल्मों में काम करने के बाद लोक गीतों की ओर रूख कर लिया था। उन्होंने गैंग्स ऑफ वासेपुर का मशहूर गाना तार बिजली से पतले हमारे पिया भी गाया था।

रहस्य और पुराने रिश्तों के बदले की कहानियां वीकेंड को बनाएंगी रोमांचक

आज थिएटर्स और ओटीटी पर रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। 19 जून के दिन ओटीटी और थिएटर्स में कई सारी फिल्में और सीरीज रिलीज हो रही हैं। अगर आप भी इस वीकेंड कुछ मजेदार देखने का प्लान बना रहे हैं, तो अपनी पॉपकॉर्न की बाल्टी तैयार रखिए। एक तरफ जहां बड़ी - बड़ी फिल्में बड़े पर्दे पर दस्तक दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर बंद कमरों के रहस्य और पुराने रिश्तों के बदले की कहानियां आपका वीकेंड रोमांचक बनाने के लिए तैयार हैं।

दुकरा के मेरा प्यार सीजन 2

पहले सीजन में शानविका और कुलदीप अलग हो गए थे। कुलदीप को लगा कि शानविका ने उसे धोखा दिया। ऐसे में कुलदीप ने सिर्फ शानविका से ही नहीं, बल्कि उसके पति और उसके परिवार से भी बदला लिया। अब दूसरे सीजन में शानविका, कुलदीप को जवाब देगी। ओटीटीः जियो हॉटस्टार, जॉनर- रोमांस, रिवेंज थ्रिलर, लीड एक्टर्स - संचिता बसु और धवल ठाकुर।

वॉयसमेल्स फॉर इसाबेल

ये एक ऐसी इमोशनल कहानी है जिसमें बहन को खोने के गम को कम करने के लिए एक महिला अपनी बहन के पुराने नंबर पर वॉयस मैसेज छोड़ती है। लेकिन वह नंबर अब एक अजनबी को मिल चुका होता है, जो धीरे-धीरे उन मैसेजेस को सुनकर उस महिला की आवाज से प्यार करने लगता है। ओटीटीः नेटफ्लिक्स, जॉनरः रोमांटिक ड्रामा, लीड एक्टर्सः जोई ड्यूच और निक रॉबिन्सन।

सेव द टाइगर्स 3

शादीशुदा जिंदगी से परेशान रहने वाले तीन दोस्त- रवि, राहुल और विक्रम एक बार फिर वापस आ गए हैं। इस सीजन में उनकी रोज-रोज की घरेलू शिकायतों से परेशान होकर खुद भगवान इंद्र धरती पर आते हैं और उनका एक अनोखा टेस्ट लेते हैं, जिससे कहानी में कॉमेडी के साथ-साथ मजेदार फैंटेसी का तड़का लगता है। ओटीटीः जियोहॉटस्टार, जॉनरः कॉमेडी, ड्रामा, फैंटेसी,लीड एक्टर्सः प्रियदर्शी, चैतन्य कृष्णा, अभिनव गोमतम।

हसबैंड्स इन एक्शन

जब एक महिला का अपहरण हो जाता है, तो उसे बचाने के लिए उसके एक्स पति को उसके पति से हाथ मिलाना पड़ता है। दोनों को अपनी आपसी कड़वाहट भूलकर एक साथ मिलकर एक अजीब और मजेदार रेस्क्यू मिशन पर निकलना पड़ता है। ओटीटीः नेटफ्लिक्स, जॉनरः एक्शन, कॉमेडी, लीड एक्टर्सः जिन सेओन-क्यू, गोंग म्युंग।

हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं

शोले फिल्म के असरानी के मशहूर डायलॉग पर आधारित ये फिल्म एक डार्क मर्डर मिस्ट्री है। इसकी कहानी उत्तराखंड के पहाड़ों में सेट है, जहां एक पारिवारिक विवाद धीरे-धीरे खूनी खेल में बदल जाता है। जॉनरः क्राइम थ्रिलर / सस्पेंस, लीड एक्टर्सः असरानी, जरीना वहाब, मुश्ताक खान, मिलिंद गुनाजी।

कॉकटेल 2

साल 2012 की सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' के सीक्वल में आज के दौर के दोस्ती, उलझे हुए रिश्तों और दिल टूटने की कहानी को एक नए और स्टाइलिश अंदाज में पेश किया जाएगा। जॉनरः रोमांटिक ड्रामा, लीड एक्टर्सः शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन

समर्पित

ये एक बहुत इमोशनल और दिल को छू लेने वाली कहानी है, जो एक पिता के अपने बच्चों के प्रति बिना किसी शर्त के प्यार, त्याग और उनके भविष्य को संवारने के लिए किए गए संघर्षों को बड़े पर्दे पर दिखाती है। जॉनरः इमोशनल ड्रामा, लीड एक्टर्सः अंकित यादव, जया भट्टाचार्य।

टॉय स्टोरी 5

डिज्नी और पिक्सर की इस मशहूर फ्रेंचाइजी के पांचवें पार्ट में वुडी, बज लाइटइयर और उनके दोस्तों की टोली का सामना आज के जमाने के सबसे बड़े विलेन से होने वाला है। इस बार विलेन बच्चों की इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, आईपैड और मोबाइल स्क्रीन्स की लत हैं। जॉनरः एनिमेटेड / एडवेंचर।